ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, सोमवार 17 मार्च 2025

वर्ष 2 अंक 04

अलविदा श्रीजी हुजूर : पंचतत्व में हुए विलीन, उमड़ा जन सैलाब

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मेवाड़ राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ (80) का सोमवार को पूरे राजसी सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने महासत्याजी में उन्हें मुखाग्नि दी। मेवाड़ को अंतिम विदाई देने कई गणमान्यजन पहुंचे जिनमें नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़, शिव विधायक रविन्द्रसिंह भाटी, कवि शैलेष लोढ़ा, राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, विधायक फूलिंसंह मीणा, ताराचंद जैन सहित प्रशासनिक अधिकारी व नेताओं की मौजूद थे। सिटी पैलेस से मिली जानकारी के अनुसार शंभु निवास पैलेस, राजमहल, में 25 मार्च तक सुबह 10 बजे से 12.30 बजे तक और शाम को 4 बजे से 5.30 बजे तक बैठक रहेगी। सिटी पैलेस से निकली अंतिम यात्रा सुबह 8 बजे शंभू निवास में उनकी पार्थिव देह दर्शनार्थ रखी गई जिसे पुष्पांजलि देने लंबी कतारें लगीं। लोगों ने आंखों में आंसू लिए अपने चहते मेवाड़ का भारी मन से विदा किया। सुबह 11 बजे सिटी पैलेस स्थित शंभू निवास से श्रीजी हुजूर की अंतिम यात्रा निकली जिसमें सबसे आगे हाथी-घोड़े, पैलेस के बैंड सहित शाही लवाजमा था। उसके बाद पारम्परिक पोशाक में मेवाड़ सहित अन्य देश विदेश से आए राजपरिवार के सदस्य साथ चल रहे थे। अंतिम यात्रा बड़ी पोल से रवाना होकर जगदीश चौक, घंटाघर, बड़ा बाजार और देहली गेट होते हुए आयड़ स्थित 'महासतिया' पहुंची। रास्तेभर श्रीजी हुजूर अमर रहे

साथ पुष्पवर्षा होती रही। लोगों ने जगह-जगह अपने चहेते मेवाड़ को नमन किया। इससे पूर्व अंतिम यात्रा के समय लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ बहनों व परिजनों को गले लगाकर भावुक हो गए और फूट फूटकर

औरएकलिंग नाथ के जयकारों के रोए। अरविंद सिंह मेवाड़ को अंतिम विदाई देने के लिए हजारों की संख्या में लोग एकत्र हुए। राजपरिवार से जुड़े कई लोग, उदयपुर के व्यापारी, स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी शोक जताने पहुंचे। महासत्याजी में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे जिनमें नाथद्वारा विधायक लक्ष्यराजसिंह के काकोसा विश्वराजसिंह मेवाड़ भी मेवाड़ राव-उमरावों के साथ पहुंचे। अंतिम संस्कार के बाद लग्जरी गाड़ी को खुद ड्राइव करते हुए लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ पेलेस की ओर रवाना हुए।

लंबे समय से बीमार थे अरविंद सिंह मेवाड़

मेवाड़ का रविवार को निधन हो गया था। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और सिटी पैलेस स्थित शंभू निवास में चिकित्सकीय देखरेख में थे। महासतिया, उदयपुर के आयड़ क्षेत्र में स्थित है, जहां 1615 से ही मेवाड़ राजपरिवार के सदस्यों का अंतिम संस्कार किया जाता रहा है। यहां सैकड़ों छतरियां बनी हुई हैं, जो ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संरक्षित हैं। अरविंद सिंह मेवाड़ ने उदयपुर में डेस्टिनेशन वेडिंग की शुरुआत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके प्रयासों से उदयपुर विश्वभर में एक लोकप्रिय वेडिंग डेस्टिनेशन बना। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

संपादकीय : प्रतीक पर प्रश्न

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है। मगर इन दिनों तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच रार से विचित्र स्थिति पैदा हो गई है। तमिलनाडु ने पहले केंद्र सरकार के निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रस्ताव का विरोध किया, फिर त्रिभाषा सूत्र का मुद्दा उठा कर विवाद खड़ा कर दिया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु सहित दक्षिणी राज्यों पर हिंदी थोपना चाहती है। इसी विरोध के तहत तमिलनाडु सरकार ने अपने बजट के दौरान रुपए के राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न की जगह तमिल अक्षर का प्रयोग किया। यह पहली बार है जब किसी राज्य ने किसी राष्ट्रीय प्रतीक को बदल कर अपना अलग प्रतीक चिह्न लागू करने का प्रयास किया है। स्वाभाविक ही इसे लेकर बहस छिड़ गई कि क्या किसी राज्य सरकार को बदलाव करने या अपना अलग प्रतीक चिह्न लागू करने का अधिकार है। पर सवाल अधिकार का नहीं है। राष्ट्रीय पहचान से जुड़े मसलों में कुछ चीजें अधिकार से नहीं, सामूहिक भावना से तय होती हैं। तमिलनाडु सरकार को बेशक कानूनी रूप से रुपए का अपना प्रतीक चिह्न तय करने का अधिकार हो, पर इससे आखिर उसे लाभ क्या होगा, और फिर मुद्रा के चलन संबंधी राष्ट्रीय विधान में उसकी क्या अहमियत होगी । दरअसल, तमिलनाडु में असल विवाद परिसीमन को लेकर है। उसी से जोड़ कर वहां के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन दूसरे मुद्दे भी उठा रहे हैं। परिसीमन के मसले पर उन्होंने दक्षिण के सभी राजनीतिक दलों का सम्मेलन भी बुलाया है। इसे लेकर सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का भी प्रयास कर रहे हैं। मगर लगता नहीं कि इस तरह वे केंद्र को अपने फैसले पर पुनर्विचार के लिए बाध्य कर सकेंगे। इसलिए तमिल लोगों में भावनात्मक उभार लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षानीति में लागू त्रिभाषा सूत्र को मुद्दा बन गया। जबकि त्रिभाषा सूत्र कोई नया विचार नहीं है। लंबे समय से इस पर जोर दिया जाता रहा है कि विद्यार्थियों को हिंदी और अंग्रेजी के साथ एक स्थानीय भाषा सिखाई जानी चाहिए। यह सूत्र कई राज्यों में पहले से लागू है। मगर अपनी संस्कृति की रक्षा के नाम पर तमिलनाडु में इसका विरोध होता रहा है । यों राजनीतिक कारणों से, त्रिभाषा सूत्र प्रस्ताव के बहुत पहले से दक्षिणी राज्यों में हिंदी का विरोध होता रहा है। जबकि हकीकत यह है कि जिस तरह हिंदी ने व्यावसायिक गतिविधियों के तहत देश के सभी हिस्सों में अपनी पहुंच लगातार बढ़ाई है, उसमें दक्षिण के राज्य अछूते नहीं हैं। ऐसे में स्टालिन का त्रिभाषा सूत्र विरोध व्यवहार में कितना कारगर होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। जहां तक रुपए का प्रतीक चिह्न बदलने की बात है, इससे भी तमिलनाडु राज्य को कोई लाभ नहीं होने वाला है। आखिर व्यवहार में मुद्राओं पर अंकित चिह्न वही बना रहेगा जो पूरे देश में लागू है, तब तमिलनाडु के सरकारी दस्तावेजों में अलग चिह्न प्रयुक्त होने भी लगे, तो क्या फर्क पड़ेगा। इससे लोगों में भ्रम ही पैदा होगा। स्टालिन के अपने दलगत लाभ हो सकते हैं, पर उसके लिए राज्य में मुद्रा के राष्ट्रीय प्रतीक को बदलना बहुत छोटी बात मानी जाएगी। असल मुद्दा परिसीमन का है, बात उस पर होनी चाहिए उससे जुड़े अनेक सवाल हो सकते हैं, और हैं भी। कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इन सबका निराकरण लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही संभव है। राष्ट्रीय प्रतीकों से छेड़छाड़ करने से राष्ट्रीय पहचान ही विरूपित होगी।

कामयाबी की उड़ान

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने अंतरिक्ष में जिस स्तर पर उपलब्धियां हासिल की हैं, उससे दुनिया भर में भारत को एक खास पहचान मिली है। अब अपने 'स्पेडेक्स' अभियान के तहत इसरो को उपग्रहों को जोड़ने और फिर अलग-अलग करने में जैसी कामयाबी मिली है, उसने अंतरिक्ष विज्ञान के भविष्य में भारत के लिए नई उम्मीद जगा दी है। गुरुवार को इसरो ने बताया कि उसने 'स्पेडेक्स' उपग्रहों को 'डी-डाक' यानी अलग करने का काम पूरा कर लिया है। गौरतलब है कि स्पेडेक्स अभियान बीते वर्ष 30 दिसंबर को शुरू किया गया था। उस समय इसरो ने अंतरिक्ष में कई प्रयासों के बाद 16 जनवरी को 'हाकिंग' के तहत दो उपग्रहों एसडीएक्स 01 और एसडीएक्स 02 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया था। दरअसल, 'डाकिंग' अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं और इसमें जोखिम और संवेदनशीलता के स्तर को देखते हुए पहले ही प्रयास में इसरो को मिली कामयाबी बेहद महत्त्वपूर्ण मानी गई है। इसे एक अविश्वसनीय अभियान को कामयाबी के साथ पूरा करने के तौर पर देखा गया है। अब उसी कड़ी में इसरो ने दोनों उपग्रहों को अलग करने में जिस स्तर का कौशल प्रदर्शित किया है, उससे साफ है कि अब अंतरिक्षीय प्रयोगों में भारत को अहम दर्जा मिल रहा है। गगनयान मिशन के लिए भी यह तकनीक जरूरी है, जिसके तहत मनुष्य को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। उपग्रहों को अलग करने में इसरो को मिली ताजा कामयाबी के बाद चंद्रमा की खोज, मानव अंतरिक्ष उड़ान और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे भविष्य के अभियानों का रास्ता साफ हो गया है। दो छोटे अंतरिक्ष यानों का उपयोग कर उन्हें जोड़ना 'डाकिंग' प्रौद्योगिकी का विकास, लक्षित अंतरिक्ष यान के जीवन काल को बढ़ाने की क्षमता प्रदर्शित करना, यानों के बीच विद्युत शक्ति हस्तांतरण का परीक्षण करना आदि इसरो के इस अभियान के मुख्य लक्ष्यों में शामिल है। 'स्पेडेक्स' अभियान को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए इसरो की क्षमता में तेज विकास सूचक के तौर पर देखा जा सकता है।

यूडी टेक्स में खुलकर मनमानी, सिंधी बाजार को 100 फीट रोड बता जारी किए नोटिस, जो दायरे में नहीं आ रहे उनको भी थमा रहे नोटिस

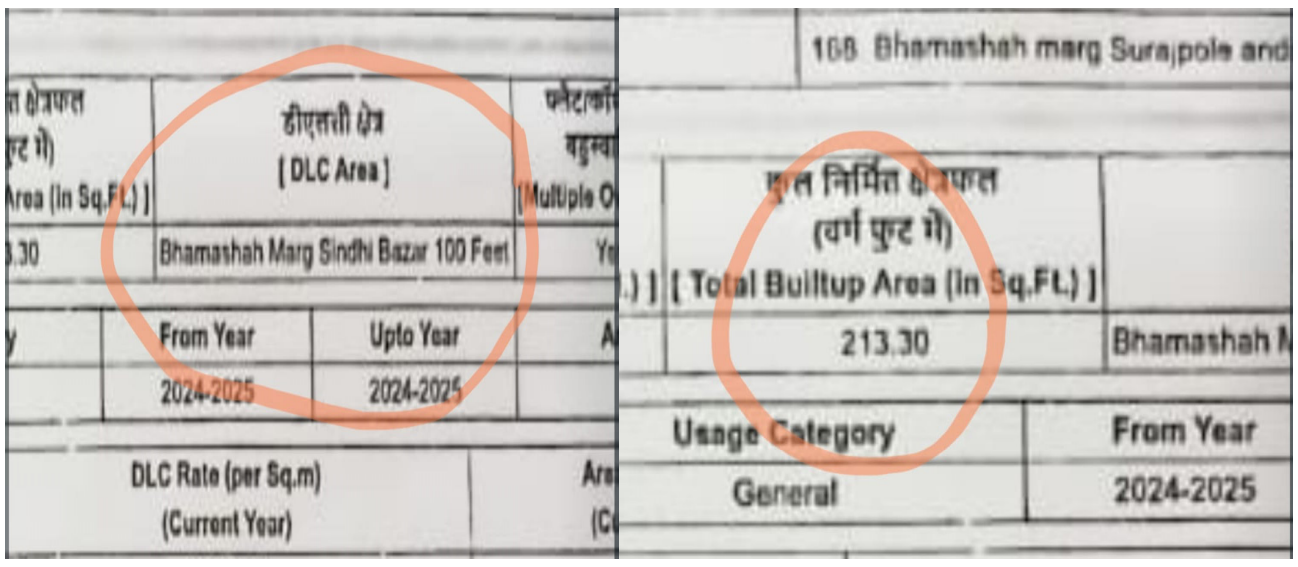

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। एकमुश्त टेक्स जाम है तो भी नोटिस आ रहे हैं, जो दायरे में नहीं आ रहे हैं उनको जबरन दायरे में लाकर नोटिस भेजे जा रहे हैं। सिंधी बाजार की रोड को 100 फीट की रोड बता कर जबरन नोटिस दिए जा रहे हैं। कहीं नोटिस देकर परेशान करने का कोई खेल तो नहीं चल रहा है इन दिनों नगर निगम में। 24 न्यूज अपडेट की टीम ने जब पड़ताल की तो कई चौंकाने वाले मामले सामने आए जिनसे यह साबित हो रहा है कि अफसरों ने आंख मूंदकर जनता को ठेके के लोगों के हवाले कर दिया है। यूडी टेक्स का ठेका लेने वालों को जनता से नहीं, अपनी आमदनी से मतलब है। अफसरों को मार्च तक टार्गेट पूरा करने का लक्ष्य मिला हुआ है, उन पर डंडा हो रहा है तो वे जनता पर डंडा कर रहे हैं। कार्रवाई सिर्फ और सिर्फ जनता पर हो रही है। लापरवाही बरतने वाले मजे कर रहे हैं। जिन्होंने 17 से 18 सालों तक टेक्स नहीं वसूला, उन पर कार्रवाई तो दूर, कार्रवाई की कोई चर्चा तक नहीं। जो लोग गलत सर्वे कर रहे हैं वे बेखौफ हैं कि उन पर कभी कोई कार्रवाई होने वाली ही नहीं है। ज्यादा से ज्यादा गलती हो जाने पर कानून के डर से कागजों में दुरूस्त कर देने के दस्तूर से ज्यादा कुछ होने वाला नहीं। उपर से नेताओं का संरक्षण होने से ज्यादा चर्चा या विरोध की कोई गुंजाइश नहीं बच पाती है। आपको बता दें कि नगर निगम की ओर से नगरीय विकास कर के संग्रहण के लिए एक निजी प्राइवेट कंपनी को ठेका दे रखा है जिसमें कार्यरत कार्मिक को लगता है कि ना तो तकनीकी ज्ञान है ना ही उनके पास ऐसी कोई विशेषज्ञता है। शहर में नगरीय विकास कर के संग्रहण में ठेकाकर्मी कंपनी को 10 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाता है। याने जितना ज्यादा कर मिलेगा उतना ज्यादा पैसा कंपनी का बनेगा। यह काम निगम की राजस्व शाखा के माध्यम से किया जा रहा है।

ऐसे होती है टेक्स की गणना

टेक्स की गणना के लिए आवासीय भूखंडों पर 2700 वर्गफीट से अधिक होने पर नगरीय विकास कर लागू होता है चाहे निर्माण का एरिया कुछ भी हो। कितनी भी मंजिल बनी हो। टेक्स का निर्धारण भूखंड पर ही होगा वहीं दूसरी ओर व्यवसायिक भूखंड या कॉमर्शियल प्लॉट पर 900 वर्गफीट प्लॉट एरिया या निर्माण क्षेत्रफल 900 वर्गफीट से अधिक हो वहां पर नगरीय विकास कर लागू हो जाता है।

ठेकाकर्मियों की खुलकर मनमानी

यहां पर ठेकाकर्मी धूल में लठ चला रहे हैं क्योंकि ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने एकमुश्त कर जमा करवा दिया है उनको नोटिस भेजे जा रहे हैं। शहर के परम्परागत बाजारों में 150-150 वर्गफीट की दुकानों तक को नोटिस भेजा जा रहा है। यहां पर गौर करने लायक बात यह है कि लोगों को डराकर कार्यालय बुलाने के लिए जो नोटिस भेजे जाते हैं उसमें प्लॉट एरिया की गणना और निर्माण क्षेत्रफल की गणना भी मानमाने तरीके से बढा चढ़कर हो रही है। भयभीत होकर कार्यालय में पहुंचता है व उसके बाद क्या होता यह बताने की जरूरत ही नहीं है।

सिंधी बाजार को बता दिया 100 फीट रोड पर

शहर में 100 फीट की नई रोड निकली है जिससे शहरवासी अनजान है। हम उसके बारे में बताने जा रहे हैं। सिंधी बाजार याने कि भामाशाह मार्ग में निगम के ठेकाकर्मी को सौ फीट चौड़ी रोड नजर आ रही है। वे देख कर निगम को बता रहे हैं और निगम के अधिकारी आंख मूंदकर नोटिस का खेल खेल रहे हैं। इसके पीछे मंतव्य क्या है ये तो वे ही बता सकते हैं लेकिन यह बात ही हास्यास्पद है कि जिस रोड पर लोग पैदल तक चलने में संघर्ष करते हों व एक दो वाहन आने पर जाम लग जाता हो वो 100 फीट का कैसे हो सकता है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि ठेके पर ऐसे लोग लगे हुए हैं जिनकी गणित की समान्य शिक्षा-दीक्षा भी नहीं हुई है। सिंधी बाजार में कहीं पर भी सौ फीट रोड चौड़ी नहीं है। टेक्स की गणना में जो फार्मूला इस्तेमाल किया जाता है उसमें डीएलसी की दर भी रोड की चौड़ाई के आधार पर तय होती है व डीएलसी की दर के आधार पर टेक्स की गणना की जाती है। ऐसे में ज्यादा लोगों को टेक्स की जद में लाने का खेल खेलने के लिए सिंधी बाजार को चुना गया है। राजस्व विभाग भी मॉनिटरिंग की बजाय खुद आंख मूंद कर बैठा है। ठेकाकर्मी जो कर रहे हैं उन पर आंख मूंदकर सहमति है। ऐसे में ठेकाकर्मी निरंकुश हो रहे हैं, उनको खुली आजादी मिल गई है कि जहां चाहे जैसा चाहें डंडा चला दें। अपने लोभ व लाभ के लिए ऐसे बेतुके नोटिस जारी करने वालों पर शिकायत के बावजूद फिलहाल कड़क व सख्त कहे जाने वाले निगम के प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

टेक्स की गणना का फार्मूला वेबसाइट पर क्यों नहीं

टेक्स की गणना का फार्मूला निगम की वेबसाइट पर सार्वजनिक नहीं होने से लोग दुविधा में हैं वे इसकी जद में आते भी हैं या नहीं। टेक्स कितना बन रहा है यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इसका जो भी नियमानुसार फार्मूला है उसका सरलीकरण करते हुए वेबसाइट पर जारी कर देना चाहिए ताकि लोग खुद डीटेल डाल कर केलकुलेट कर सकें कि वे इस दायरे में आ रहे हैं या नहीं, आ रहे हैं तो कितना टेक्स बन रहा है। यदि बन रहा है तो उसे ऑनलाइन जमा कराने की भी व्यवस्था हाथोंहाथ ही की जानी चाहिए।

सनसनीखेज खुलासा : लाखों खर्च कर जिस पत्नी को नर्सिंग करवाई, वो लिव-इन में चली गई, खर्चा मांगा तो कर दिया इनकार, पति ने कर दी लिव इन पार्टनर की हत्या

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। योगेश गोयल जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर ने बताया कि 9 मार्च को हिरणमगरी थाना क्षेत्र में पानेरियो की मादड़ी में किराये से रहने वाले जिला डूंगरपुर निवासी जितेन्द्र मीणा पुत्र वजाराम मीणा उम्र 34 वर्ष जाति-मीणा निवासी गॉव डोगरा फला पाल गामड़ी पुलिस थाना सदर जिला-डूंगरपुर राज० के हत्याकाण्ड का पर्दाफाश हिरणमगरी थाना पुलिस के द्वारा किया जाकर मुख्य अभियुक्त नरसी मीणा को डूंगरपुर के जगलो से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 09.03.2025 को थाना हिरणमगरी पर रीना मीणा ने रिपोर्ट पेश की कि पडोस वाले रुम मे जितेन्द्र मीणा व डिंपल मीणा नाम किराये पे रहते है तथा यह दोनों नर्सिंगकर्मी हैं। दोनों ही सुबह हॉस्पीटल जाते हैं तथा शाम को आते है। करीब 5-6 महीने पहले डिपंल ने उसे बताया था कि उसने व जितेन्द्र मीणा ने भाग कर शादी की है। करीबन 11 ए.एम पर हमारे पास वाले रुम जिसमें जितेन्द्र एव डिम्पल रहते हैं वहां से जोर जोर से आवाज आयी जिस पर उसने व ननंद पूजा ने गेट खोला तो एक आदमी को जितेन्द्र के रुम से भागते हुये देखा तथा उसके पीछे डिम्पल भी भाग रही थी डिम्पल के कपडों पर भी खून लगा हुआ था। फिर जितेन्द्र के रुम को देखा तो जितेन्द्र खून से लथपथ नीचे पडा हुआ था तथा रुम में खून पडा था तथा जितेन्द्र के शरीर के पास एक चाकू पडा था। प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान भरत योगी पु.नि. थानाधिकारी थाना हिरणमगरी के द्वारा प्रारम्भ किया गया। दिन-दहाडे हुए इस हत्याकाण्ड को जिला पुलिस द्वारा गंभीरता से लिया जाकर उमेश ओझा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उदयपुर, छगन पुरोहित पुलिस उप अधीक्षक वृत्त नगर पूर्व उदयपुर के निर्देशन भरत योगी पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना हिरणमगरी के नेतृत्य में थाने से दो टीम बनाई जाकर मुल्जिम की धरपकड हेतु निवास स्थान व अन्य सभावित स्थानो पर धरपकड़ शुरु की गई। चूंकि मृतक जितेन्द्र मीणा व आरोपी नरसी मीणा दोनो ही जिला डूंगरपुर के पास पास के गाँवों के रहने बाले होने से तथा दोनों पक्षो के मध्य अभियुक्त की पत्नी डिम्पल मीणा के सम्बंध में विवाद होने के कारण घटनाक्रम से सम्बधित तथ्यो का केन्द्र डूंगरपुर होने के कारण दोनों टीमों को डूंगरपुर व अहमदाबाद की तरफ रवाना किया गया। **डिटेन की कार्यवाही-** पुलिस थाना हिरणमगरी की टीम के सदस्य बंसती लाल स.उ.नि. नंद किशोर कानि 2762 व श्री हेमेन्द्र कानि. 2769 की टीम को लीड मिली की वाछित अभियुक्त होली के पर्व पर अपने गाँव बोखला की तरफ आने वाला है जिस पर टीम के द्वारा गाँव बोखला के जगलों में अपना पडाव रखते हुए वन्य क्षेत्र से वाछित अभियुक्त नरसी मीणा को डिटेन किया गया। नरसी खराडी पुत्र बदा खराडी उम्र 45 वर्ष जाति-खराडी निवासी गॉव बोर पीपला बोखला पुलिस थाना बिछीवाडा जिला-डूंगरपुर **हत्याकांड की वजह-**गिरफ्तार अभियुक्त नरसी खराडी की पूछताछ एवं अनुसंधान से उक्त हत्याकाण्ड का यह कारण सामने आया कि आरोपी नरसी मीणा ने अपनी पत्नी डिम्पल मीणा को अध्ययन करा नर्सिंग का कोर्स कराया था। डिम्पल मीणा नर्सिंग का कोर्स करने के बाद प्राईवेट हॉस्पीटल में नर्स का काम करने लगी। प्राईवेट हॉस्पीटल में नर्सिंग के कार्य के दौरान ही करीब 3 वर्ष पूर्व डिम्पल मीणा का मृतक जितेन्द्र मीणा से परिचय हुआ था। मृतक जितेन्द्र मीणा भी उसी हॉस्पीटल में नर्सिंगकर्मी का कार्य करता था। इसके बाद डिम्पल मीणा अपने पति नरसी मीणा से नाता तोड सहकर्मी जितेन्द्र मीणा के साथ लिव इन में रहने लग गई। इसी विवाद को लेकर पूर्व दोनों पक्षां के मध्य सामाजिक स्तर पर वार्ता भी हुई थी। डिम्पल मीणा के द्वारा पति नरसी मीणा के खिलाफ पुलिस थाना बिछीवाडा में रिपोर्ट भी दर्ज कराना ज्ञात आया। आरोपी नरसी मीणा मृतक जितेन्द्र मीणा से डिम्पल मीणा की पढ़ाई एवं नर्सिंग के कोर्स में खर्च हुए रुपयों की मांग कर रहा था तथा डिम्पल मीणा व जितेन्द्र मीणा दोनों आरोपी नरसी मीणा से छिप कर पानेरियों की मादडी में किराये से रह रहे थे। आरोपी नरसी मीणा ने अपने स्तर पर दोनों के रहने का किराये का कमरा का पता किया था एवं मृतक जितेन्द्र मीणा ने पढ़ाई में खर्च हुए रुपये देने से इनकार कर दिया था परन्तु आरोपी के द्वारा रुपयो की लगातार मांग की जा रही थी। घटना के दिन भी आरोपी नरसी मीणा रुपये की मांग करने मृतक जितेन्द्र मीणा के किराये के मकान पर पूर्व नियोजित साजिश के तहत धारदार छुर्रा लेकर गया एवं मृतक जितेन्द्र मीणा के रुपये नहीं देने पर जान से मारने के बारे में पूर्व से ही मन बना कर आया था। आरोपी के द्वारा जितेन्द्र मीणा से रुपयो की मांग की गई तो जितेन्द्र मीणा ने रुपये देने से इनकार किया तो आरोपी जितेन्द्र मीणा ने अपने साथ लाये धारदार छुर्रे से मृतक जितेन्द्र मीणा की गर्दन, पेट व अन्य स्थान पर ताबडतोड वार कर दिया जिससे मृतक जितेन्द्र मीणा की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

यात्रियों की सुविधा हेतु रेलसेवाओं का संचालन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसारः-गाडी संख्या 09001, मुम्बई सेट्रल-खातीपुरा (जयपुर) त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 19.03.25, 22.03.25, 24.03.25, 26.03.25 एवं 29.03.25 को मुम्बई सेट्रल से प्रत्येक सोमवार, बुधवार व शनिवार को मुम्बई सेट्रल से 22.20 बजे रवाना होकर अगले दिन 16.40 बजे खातीपुरा पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09002, खातीपुरा (जयपुर)-मुम्बई सेट्रल त्रि-साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 18.03.25, 20.03.25, 23.03.25, 25.03.25, 27.03.25 एवं 30.03.25 को खातीपुरा से प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार व रविवार को 19.05 बजे रवाना होकर अगले दिन 13.30 बजे मुम्बई सेट्रल पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, उधना, भरूच, वडोदरा, आणंद, साबरमती, महेसाना, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ व जयपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 04 सैकण्ड एसी, 10 थर्ड एसी, 02 पॉवरकार डिब्बो सहित कुल 16 डिब्बे होगे। गाडी संख्या 03008, खातीपुरा (जयपुर)-हावडा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 18.03.25 को खातीपुरा से 05.30 बजे रवाना होकर दूसरे दिन 15.15 बजे हावडा पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, मोकामा, बख्तियारपुर, पटना, दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, प्रयागराज, गोविन्दपुरी, इटावा, फतेहाबाद, शमशाबाद टाउन, आगराकैंट, भरतपुर, बांदीकुई व दौसा स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 04 थर्ड एसी, 10 द्वितीय शयनयान, 03 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित 20 डिब्बे होगे।

गुजरात में भीलवाड़ा के युवक की मौत, सर्वसमाज का प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा में सोमवार को राजकुमार जाट (30) की संदिग्ध मौत के विरोध में सर्वसमाज ने धरना-प्रदर्शन किया। मृतक के पिता रतनलाल जाट ने कलेक्टर जसमीत सिंह संधु को ज्ञापन सौंपते हुए गोंडल (गुजरात) की विधायक गीताबा जडेजा और पूर्व विधायक जयराज सिंह जडेजा के बेटे गणेश पर हत्या का आरोप लगाया। रतनलाल जाट ने कहा- मुझे सिर्फ न्याय चाहिए। गुजरात पुलिस पर भरोसा नहीं है, इसलिए मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट के सामने मुखर्जी पार्क में एकत्र हुए विभिन्न समाज के लोगों ने राजकुमार को भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। हालांकि, गुजरात पुलिस का दावा है कि राजकुमार जाट की मौत एक्सीडेंट में हुई है। पुलिस के मुताबिक, युवक की मौत बस की टक्कर लगने से हुई थी।

65 लाख रुपए से अधिक की अंग्रेजी शराब से भरा ट्रक कंटेनर पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 17 मार्च। चूरू जिले की थाना छापर व डीएसटी ने रविवार को नाकाबंदी में 65 लाख रुपए से अधिक की कीमत की अंग्रेजी शराब से भरा ट्रक कंटेनर पकड़ दो तस्कर बन्ने सिंह धाणक पुत्र ओमप्रकाश (25) निवासी इन्दासर एवं सुरेंद्र कुमार धाणक पुत्र भोलाराम (23) निवासी बैरासर थाना राजगढ़ चुरु को गिरफ्तार किया है। ट्रक से विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब की बोतलों के 516 कार्टून एवं पव्वों के 118 कार्टून मिले है।

एसपी जय यादव ने बताया कि नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन, अवैध शराब एवं मादक पदार्थो के प्रकरणों में वांछितों भगौड़ा की गिरफतारी एवं अवैध शराब व मादक पदार्थो के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के मध्यनजर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार व वृताधिकारी बीदासर प्रहलाद राय के सुपरविजन एवं एसएचओ छापर गीता रानी के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा रविवार को मेघा हाईवे रणधीसर चौकी के सामने नाकाबंदी कर चैकिंग की जा रही थी।

इसी दौरान डीएसटी की सूचना पर रतनगढ की तरफ से आ रहे एक ट्रक कन्टेनर को रूकवा कर चैक किया गया तो विभिन्न ब्रांडो की अग्रेंजी शराब की बोतलों के 516 कार्टून एंव पव्वों के 118 कार्टुन मिले। जिसकी कीमत करीब 65 लाख रूपये है। शराब मय ट्रक कंटेनर जब्त कर ट्रक चालक बन्ने सिंह धाणक व खलासी सुरेन्द्र कुमार धाणक को गिरफतार किया गया।

मामले में आबकारी एक्ट में थाना छापर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों से अवैध शराब की खरीद फरोख्त के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई मे डीएसटी इंचार्ज अमर सिंह व थाना छापर के कांस्टेबल अजीत पाल की विशेष भूमिका रही। टीम में एसएचओ गीता रानी सहित एएसआई धर्मवीर सिंह, हेड कांस्टेबल गोपाल प्रसाद, कांस्टेबल सुल्तान सिंह, रामनिवास, प्रताप सिंह और कांस्टेबल चालक रामगोपाल भी शामिल थे।

52 लाख रूपये अन्तर्राष्ट्रीय कीमत की 260 ग्राम स्मैक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

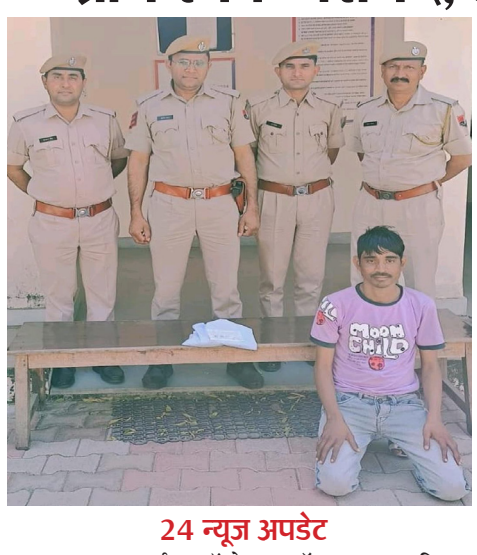

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 17 मार्च। ऑपरेशन नॉकआउट अभियान के तहत जयपुर ग्रामीण जिले की चंदवाजी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर 52 लाख अंतरराष्ट्रीय कीमत की 260 ग्राम स्मैक जप्त कर आरोपी श्यामलाल नायक पुत्र हरिनारायण (33) निवासी जुगलपुरा थाना चंदवाजी को गिरफ्तार किया है।

उप-महानिरीक्षक पुलिस सह-पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आनन्द शर्मा ने बताया है कि जिले में शैक्षणिक संस्थानों के आसपास युवा वर्ग में बढ़ते हुए नशे की प्रवृति को देखते हुए अवैध मादक पदार्थ बिकी की रोकथाम तथा अवैध नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजनीश पूनिय के निर्देशन में ऑपरेशन नॉकआउट अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान की सफलता के लिए वृत्ताधिकारी जमवारामगढ प्रदीप सिंह यादव के सुपरविजन एवं थानाधिकारी चन्दवाजी हीरालाल सैनी के नेतृत्व में गठित टीम के सदस्य कांस्टेबल रोहिताश को मुखबिर से सूचना मिली एक व्यक्ति चन्दवाजी से निम्स की तरफ स्मैक लेकर जा रहा है।

सूचना पर टीम तुरन्त मौके पर पहुंची। शिव मंदिर भूरी डूंगरी के पास चंदवाजी की और से आ रहा आरोपी श्याम लाल पुलिस को देख रात के अन्धेरे में छिपने की कोशिश करने लगा। जिसको डिटेन कर तलाशी ली गई। पेन्ट की जेब में प्लास्टिक की थैली से 260 ग्राम स्मैक जब्त की गयी। प्रारम्भिक पूछताछ में उक्त स्मैक अभियुक्त द्वारा निम्स कॉलेज के आस पास फुटकर बिक्री के लिए दीपू नामक व्यक्ति से खरीद कर लाना व दीपू द्वारा उक्त माल की डिलेवरी चन्दवाजी के पास हाईवे पर देना बताया है।

जब्त स्मैक की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 52 लाख रूपये है। अभियुक्त के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान एसएचओ मनोहरपुर भगवान सहाय द्वारा किया जा रहा है । मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले दीपू के सम्बन्ध में अभियुक्त से गहनता से अनुसंधान जारी है।

डीआईजी शर्मा ने बताया कि आगे भी जिले में अवैध नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन नॉकआउट अभियान के तहत इसी प्रकार कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। इससे पहले भी इस अभियान के तहत जिला पुलिस ने कई नशा कारोबारियों को गिरफ्तार कर अवैध भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ, नशीली दवाइयां व अवैध शराब जप्त की गई थी।

एसएचओ हीरालाल सैनी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में कांस्टेबल रोहिताश की विशेष भूमिका एवं एएसआई बन्ने सिंह, हेड कांस्टेबल रामरतन, सुभाष चन्द, कांस्टेबल रोहिताश, सुभाष चन्द, अजय कुमार धर्मवीर, रामनिवास एवं महिला कांस्टेबल ममता का सराहनीय योगदान रहा।

जयपुर रेलवे स्टेशन से किडनैप हुआ 4-साल का बच्चा मिला:नसबंदी के कारण बच्चा नहीं होने से परेशान थे, स्टेशन पर खेलता देख उठा ले गए प्रेमी-प्रेमिका

24 न्यूज अपडेट

जयपुर रेलवे स्टेशन से 4 साल के बच्चे के किडनैप के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बच्चे को किडनैप करने वाले युवक और महिला को महुआ (दौसा) के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी महिला जीविका (28) अपने पति को छोड़कर प्रेमी सुंदर कश्यप (28) के साथ रह रही थी। नसबंदी के चलते बच्चा नहीं होने पर इन्होंने किडनैपिंग का प्लान किया था। पहले भी बच्चा किडनैप करने की कोशिश कर चुके जीआरपी एसपी नरेंद्र ने बताया- किडनैपिंग के मामले में सुंदर कश्यप (28) पुत्र शिवाजी कश्यप निवासी सदर करौली और उसकी प्रेमिका जीविका (28) पत्नी देवीलाल निवासी रानोली सीकर को गिरफ्तार किया है। 4 साल का मासूम सुरक्षित है। दोनों बच्चे को किडनैप करने के बाद नारायण सिंह सर्किल पहुंचे थे। वहां से उत्तर प्रदेश की बस में बैठकर महुआ उतरे। पुलिस ने पीछा करते हुए महुआ से 30 किलोमीटर दूर एक गांव से दोनों को अरेस्ट किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिला पहले से शादीशुदा है। दो बच्चों की मां है। पहले पति को छोड़ने के बाद वह लिव इन में आरोपी प्रेमी सुंदर के साथ रह रही थी। नसबंदी के चलते बच्चा नहीं होने पर इन्होंने किडनैपिंग का प्लान किया था। एक बार पहले भी यह रेलवे स्टेशन जाकर कोशिश कर चुके हैं।

शुक्रवार रात किडनैप हुआ था बच्चा जीआरपी थाने के ASI जगदीश ने बताया- घटना 14 मार्च (शुक्रवार) रात 11 बजे की है। जयपुर जंक्शन के मुख्य द्वार के पास प्रियंका पांडेय (42) अपने तीन बच्चों (दो बेटी और एक बेटे) के साथ बैठी थी। वह पीहर सिवान (बिहार) जाने के लिए जयपुर रेलवे स्टेशन आई थी। मोबाइल स्विच ऑफ होने पर प्रियंका उसे चार्जिंग पर लगाकर बैठ गई थी। तीनों बच्चे सामान के पास बैठकर खेल रहे थे। इस दौरान मौका पाकर आरोपी महिला ने बच्चे को अपने पास बुलाया। उसे गोद में उठाकर ले गई। कुछ देर बाद मां ने आकर बेटे को संभाला तो वह गायब मिला।

बच्चे को ढूंढने की कोशिश करते रहे पति-पत्नी

स्टेशन और उसके आसपास काफी तलाशने के बाद भी बेटे का पता नहीं चला। बेटे के गायब होने पर प्रियंका ने पति सुदामा पांडेय (42) को कॉल कर बताया। वह जयपुर के विश्वकर्मा में स्थित घर पर था। वह रेलवे स्टेशन पहुंचा। बच्चे को खुद के स्तर पर ढूंढने की कोशिश की। इसके बाद जीआरपी थाने में मासूम के स्टेशन से गायब होने की सूचना दी।

बच्चों के साथ बिहार जा रही थी महिला

एएसआई ने बताया- 15 मार्च की रात को सिवान (बिहार) निवासी सुदामा पांडेय (42) ने 4 साल के बेटे शिवम की किडनैपिंग का मामला जीआरपी थाने में दर्ज करवाया। वे बिहार में सिवान के लक्ष्मीपुरा इलाके में रहते हैं। सुदामा जयपुर के विश्वकर्मा इलाके में रहकर मजदूरी करता है। उसके परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शिवम है। 14 मार्च को धुलंडी पर तीनों बच्चों को लेकर उसकी पत्नी सिवान जाने के लिए रेलवे स्टेशन आई थी।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, जोधपुर व आसपास के गांव-कस्बों से चुराई गई 30 मोटरसाइकिलें बरामद

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 17 मार्च। जैसलमेर जिले की रामदेवरा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों अशोक पटेल पुत्र भल्लाय राम एवं महावीर पटेल पुत्र सुरेश निवासी झंवर जिला जोधपुर को गिरफ्तार कर दोनों के पास से कुल 30 मोटरसाइकिलें बरामद की है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि पोकरण इलाके में हो रही वाहन चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने इन वारदातों के खुलासे एवं आरोपियों की धर पकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार व सीओ भवानी सिंह के सुपरविजन एवं एसएचओ रामदेवरा शंकरलाल व डीएसटी प्रभारी हेड कांस्टेबल भीमराव सिंह के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया था।

गठित टीमों द्वारा वाहन चोरों के संबंध में आसूचना संकलित कर मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध अशोक पटेल व महावीर पटेल को दस्तयाब कर पूछताछ की। इनकी निशानदेही पर अशोक पटेल के पास से कुल 23 एवं महावीर पटेल के पास से सात चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। यह सभी मोटरसाइकिल इन्होंने जोधपुर शहर एवं आसपास के गांव और कस्बों से चोरी करके लाना बताया है। इसके संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

राजस्थान पुलिस की ओर से प्रदेश में 31 मार्च तक चलाया जा रहा है सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 17 मार्च। राजस्थान पुलिस की ओर से समस्त प्रदेश मे 31 मार्च तक सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य राज्य में महिला और बालिकाओं में स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाना, उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने तथा स्थानीय पुलिस से संवाद स्थापित करना है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटीयू श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने बताया कि महिला सखी सुरक्षा पखवाड़ा एक अभियान है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह पखवाड़ा महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करता है और उन्हें हिंसा और उत्पीड़न से बचाने के लिए विभिन्न संसाधनों और सेवाओं तक पहुँचने में मदद करता है।

थाना स्तर पर चिह्नित की गई है तीन सक्रिय सुरक्षा सखी

प्रत्येक एसएचओ द्वारा तीन सुरक्षा सखियों को अभियान में भाग लेने के लिए चिन्हित किया गया है। अभियान के पर्यवेक्षण तीन सुरक्षा सखियों से संपर्क कर सहयोग और उनके कार्यों की समीक्षा करने एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सुरक्षा साथियों को थानावार दी जाएगी कानूनी जानकारी

एसएचओ चिन्हित सुरक्षा सखियों को अभियान के तहत कानून की जानकारी देने के लिए महिला अत्याचार से संबंधित कानून एवं उनके कर्तव्यों के बारे में बताएंगे।

घर-घर जाकर करेगी जागरूक

इसके बाद सुरक्षा सखी अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर व्यक्तिगत रूप से महिलाओं और बालिकाओं से संपर्क कर उनको महिला संबंधी कानूनों की जानकारी देकर उनके द्वारा बतायी गयी समस्याओं या सुझावों के बारे में जान पुलिस को अवगत करवायेंगी।

पांच सुरक्षा सखियों को रेंज स्तर पर किया जाएगा सम्मानित

जागरूकता अभियान की समाप्ति के पश्चात् उक्त जागरूकता अभियान में प्रत्येक जिले से सराहनीय कार्य करने वाली 5 सुरक्षा सखी को पुलिस आयुक्त और रेंज महानिरीक्षक रेंज स्तर पर सम्मानित करेंगे।

अहमदाबाद-पालनपुर रेलखण्ड के मध्य ट्रेफिक ब्लॉक के कारण रेल यातायात प्रभावित, रेलसेवाएं मार्ग परिवर्तित रहेगी

24 न्यूज अपडेट

मुम्बई मण्डल के पर अहमदाबाद-पालनपुर रेलखण्ड के मध्य पालनपुर व उमरदाषी स्टेशनों के मध्य ब्रिज संख्या 880 पर मरम्मत कार्य हेतु ट्रेफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। ट्रेफिक ब्लॉक के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित निम्न रेलसेवाएं प्रभावित रहेगी:- मार्ग परिवर्तित रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से) 1.गाडी संख्या 19031, अहमदाबाद-योगनगरी ऋषिकेश रेलसेवा दिनांक 18.03.25 को अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग महेसाना-पाटन-भीलडी-पालनपुर होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा ऊंझा व सिद्धपुर स्टेशनों पर ठहराव नहीं करेगी। 2.गाडी संख्या 19223, गांधीनगर कैपिटल-जम्मूतवी रेलसेवा दिनांक 18.03.25 को गांधीनगर कैपिटल से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग महेसाना-पाटन-भीलडी- पालनपुर होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा ऊंझा व सिद्धपुर स्टेशनों पर ठहराव नहीं करेगी। 3.गाडी संख्या 19412, दौलतपुर चौक-साबरमती रेलसेवा दिनांक 17.03.25 को दौलतपुर चौक से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग पालनपुर-भीलडी-पाटन-महेसाना होकर संचालित होगी। परिवर्तित मार्ग में यह रेलसेवा सिद्धपुर व ऊंझा स्टेशनों पर ठहराव नहीं करेगी।

जयपुर के कॉलेज में घुसा लेपर्ड:वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया

24 न्यूज अपडेट

जयपुर के झालाना स्थित बिरला इंस्टीट्यूट कॉलेज में आज लेपर्ड घुसने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस और वनविभाग की टीम मौके पर पहुंची। वनविभाग की टीम ने मौके पर लेपर्ड को पकड़ने के लिए अन्य टीम को भी बुला लिया हैं। लेकिन काफी समय से लेपर्ड का मूवमेंट नजर नहीं आ रहा हैं। वन कर्मचारियों ने बताया- लेपर्ड को ट्रंकुलाइज करने के लिए टीम मौके पर मौजूद है।सर्च किया जा रहा हैं। पिछले एक घंटे से लेपर्ड का मूवमेंट नहीं दिखा हैं। सम्भावना है कि लेपर्ड कॉलेज परिसर में कहीं पर छिपा हुआ है। हो सकता है पीछे के रास्ते से दोबारा जंगल में चला गया है। टीमें सर्च कर रही हैं।

पहले भी आबादी क्षेत्र में पहुंच चुके लेपर्ड

जयपुर के झालाना और आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व होने की वजह से बड़ी संख्या में तेंदुए का मूवमेंट रहता है। इससे पहले 7 दिसंबर को जयपुर के विद्याधर नगर में 4 घंटे तक लेपर्ड की दहशत रही थी। जयसिंहपुरा खोर में मानबाग और जगतपुरा के आशियाना ग्रीनवुड सोसाइटी में लेपर्ड पहुंच गया था। दिल्ली रोड, जमवारामगढ़, मालवीय नगर, झालाना इलाके में भी लेपर्ड का मूवमेंट नजर आ चुका है। इस दौरान लेपर्ड कई बार मवेशियों और जंगली जानवरों को अपना शिकार बना चुका है। जमवारामगढ़ इलाके में मासूम बच्चे को भी मौत के घाट उतार दिया था।

खाटूश्याम जी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत और कई गंभीर घायल

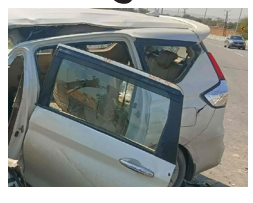

24 न्यूज अपडेट

जिले के सैंथल थाना इलाके में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में कार में सवार एक श्रद्धालु की मौत हो गई. वहीं, कार सवार कई श्रद्धालु घायल हो गए. घटना की सूचना पर सैंथल थाना प्रभारी मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और कार में सवार घायलों को बाहर निकालकर दौसा जिला अस्पताल में भर्ती करवाया. बता दें कि कार सवार सभी लोग उत्तर प्रदेश के रायबरेली क्षेत्र के रहने वाले थे. सभी लोग खाटूश्याम जी के दर्शन कर वापस रायबरेली जा रहे थे. पुलिस ने हादसे में मृतक श्रद्धालु के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है. मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है. ऐसे में परिजनों के दौसा पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा. हादसे में एक की मौत, आधा दर्जन घायल : थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में कार सवार मनोज कुमार (45) पुत्र लल्लू प्रसाद शर्मा, सत्यप्रकाश (45) पुत्र रामवीर सिंह राजपूत, राकेश सिंह (48) पुत्र रणछोड़ सिंह राजपूत, जितेंद्र कुमार सिंह (48) पुत्र जयकुमार सिंह राजपूत, विशाल पाशवान (23) पुत्र शिवलाल, दीपक सिंह राजपूत (45) पुत्र राधेश्याम और प्रदीप सिंह पुत्र चंद्रप्रकाश सभी निवासी रायबरेली गंभीर रूप से घायल हो गए. ऐसे में सभी घायलों को एम्बुलेंस और अन्य वाहनों की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने सत्यप्रकाश (45) को मृत घोषित कर दिया.

गंभीर लापरवाही : वरिष्ठ पत्रकार के परिजनों से अभद्रता, रिजर्व टिकट के बावजूद नहीं रोकी बस, रास्ते में उतारा, अधिकारियों ने कहा सख्त कार्रवाई होगी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर से प्रतापगढ़ जाने वाली बस संख्या 4442 में एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। इस मामले में उदयपुर के वरिष्ठ पत्रकार फोटो जर्नलिस्ट के परिवार के साथ कंडक्टर की ओर से अभद्र बर्ताव भी किया गया। अब रोडवेज प्रबंधन की ओर से मामले में सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है। इस बारे में सीएम पोर्टल सहित विधायक व सांसद को भी शिकायत देते हुए रोडवेज प्रबंधन से कार्रवाई की मांग की गई है। पत्रकार संगठनों ने भी अशोभनीय बर्ताव पर रोष जताया है। बताया गया कि पहले से आरक्षित सीट का टिकट लेकर बैठने के बावजूद रास्ते में अन्य परिजनों को बस में चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे यात्री और परिवार को भारी मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जर्नलिस्ट ऋषभ जैन ने रोडवेज प्रबंधक को दी गई शिकायत में कहा कि बहुत जरूरी पारिवारिक काम से आज उनके परिजनों को प्रतापगढ़ जाना था। उनकी सालीजी ने उदियापोल डिपो से चार टिकट आज 17 मार्च, 2025 को सुबह 5.47 बजे खरीदे। इसमें सीट नम्बर आवंटित कर दिया गया। इससे पूर्व सालीजी ने बस के कंडक्टर जसप्रीत सिंह से यह पूछ लिया कि बस को ठोकर चौराहे पर रोकना है, वहां से तीन सवारी बैठ जाएगी। इस पर उन्होंने कहा कि आप टिकट लेकर बैठ जाइये, बस वहां पर रोक देंगे। बस आम तौर पर ठोकर चौराहे पर रूकती है। इसके बाद जैन पत्नी व दो बच्चियों को लेकर सीधे ठोकर चौराहे पर पहुंचे व बस आई तो बिना रूके ही सीधे निकल गई। चालक गोविंद सिंह ने बस रोकी ही नहीं। बस उनके सामने ही ठोकर से बिना सवारियां लिए सीधे आगे रवाना हो गई। अंदर बैठी रिश्तेदार ने बार-बार अनुनय विनय किया तो भी बस को नहीं रोका गया। कंडक्टर ने कठोर बर्ताव करते हुए कहा कि बस में सवारियां फुल हैं हम नहीं रोकेंगे। सब लोग हतप्रभ रह गए। बार बार कहने पर अंदर बस में कंडक्टर ने कहा कि अब बस को सीधे प्रतापनगर रोकेंगे। जैन परिजनों को लेकर अपने दुपहिया वाहन से भागकर प्रतापनगर पहुंचे तो वहां पर भी बस को नहीं रोका गया। बस आगे रवाना हो गई व बार-बार निवेदन के बाद भी कंडक्टर ने बस नहीं रोकी। इस पर वे दोनों छोटी बच्चियां व पत्नी को लेकर बस के पीछे रवाना हुए। उसके बाद कंडक्टर ने कहा कि बस को डबोक में रोका जाएगा। इस पर दौड़ते-भागते बाइक पर ही डबोक पहुंचे तो कंडक्टर ने बुरा बर्ताव करते हुए इस बीच उनक सालीजी को बस से ही उतार दिया व बस लेकर चलता बना। उसने कहा कि अब उदयपुर जाकर टिकट चेंज करवा लो और दूसरी बस में आ जाओ। इस बीच जब जैन ने भी कंडक्टर से बात की तो उसने बदतमीजी से बात की व कहा कि जो करना है कर लेना। पूरे मामले से मेरी बच्चियां, पत्नी व सालीजी सदमे में आ गए। बच्चे रोने लग गए। रास्ते में उतारने पर पूरा परिवार हैरान परेशान हो गया। इस भयंकर मानसिक प्रताड़ना के बावजूद जब मैंने अधिकारियों को फोन किया तो उन्होंने नहीं उठाया। दिनभर फोन लगाने के बाद भी कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई। इसकी शिकायत विधायक, सांसद, सीएमओ सहित अन्य उच्च अधिकारियों से करते हुए न्याय की गुहार लगाई गई। सीएम पोर्टल पर भी शिकायत की गई। शाम को जब जैन रोडवेज के मुख्य प्रबंधक के पास पहुंचे तो उन्होंने शिकायत लेते हुए प्रतापगढ़ डिपो को दोनों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। कई पत्रकारों ने डिपो प्रबंधक को फोन लगा कर रोष जाहिर किया। मुख्य प्रबंधक हेमंत शर्मा बताया कि दोषी चालक एवं परिचालक के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की अनुशंसा की है। यात्री ने विभाग से उचित मुआवजे की मांग करते हुए दोषी कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है। रोडवेज के कंडक्टर व चालक के इस रवैये को देखकर यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि रोडवेज में किस हद तक लापरवाही का खेल चल रहा है। रोडवेज यात्रियों के लिए सुविधा की बजाय दुविधा का सबब ऐसे नाकारा कर्मचारियों की वजह से बन गई है जिन पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

सूर्य को जल अर्पित करते रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी को मारा चाकू

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के बड़गांव थाना क्षेत्र में 63 वर्षीय रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी ओम शंकर श्रीमाली पर उनके पड़ोसी युवक ने अचानक हमला कर दिया। वह घर के सामने सूर्य को जल अर्पित कर रहे थे, तभी हमलावर दौड़कर आया और उनकी पीठ पर चाकू मारकर फरार हो गया। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गईं। हमले के बाद घायल श्रीमाली को एमबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह आईसीयू में है। पीठ पर गहरा घाव है, जिस पर 20 से अधिक टांके लगे हैं। बताया गया कि सोमवार सुबह 9:54 बजे बड़गांव बापूनगर में यह घटना हुई। पीड़ित के बेटे डॉ. देवेंद्र कुमार श्रीमाली (असिस्टेंट प्रोफेसर, कॉमर्स कॉलेज, उदयपुर) ने मीडिया से कहा कि उनके पिता सुबह स्नान कर सूर्य को जल चढ़ा रहे थे, तभी पड़ोसी ऋतिक श्रीमाली ने अचानक दौड़कर उन पर चाकू से हमला कर दिया और भाग गया। घटना के तुरंत बाद देवेंद्र ने पिता को संभालकर एमबी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उनको एमबी अस्पताल में भर्ती कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया थाना प्रभारी पूरण सिंह राजपुरोहित ने बताया कि हमले के आरोपी ऋतिक श्रीमाली को डिटेन कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। आरोपी ऋतिक श्रीमाली का आपराधिक रिकॉर्ड पहले भी रहा है। जून 2022 में उसने राजसमंद के तत्कालीन भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह बारहठ के बेटे अरविंद सिंह पर भी चाकू से हमला किया था। उस समय नाथद्वारा उपली ओडन के एक होटल में भाजपा की बैठक चल रही थी, और अरविंद सिंह भोजन की व्यवस्था देख रहे थे, तभी ऋतिक ने उन पर हमला कर दिया था।

अस्पताल प्रशासन का बयान

एमबी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन ने बताया कि ओम शंकर श्रीमाली की पीठ पर गहरा घाव था, जिस पर 20 से अधिक टांके लगाए गए हैं। उनका इलाज जारी है।

केन्द्रीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविरों के लिए आवेदन आमन्त्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 मार्च। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद जयपुर के तत्वाधान में केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर आबूपर्वत में 21 मई से 10 जून तक, जयपुर में 19 मई 8 जून तक एवं बांसवाड़ा में केन्द्रीय जनजाति प्रशिक्षण शिविर 23 मई से 12 जून तक लगाया जाना प्रस्तावित है। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि इन शिविरों में भाग लेने हेतु इच्छुक प्रतिभावान खिलाड़ी 25 अप्रैल तक क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र लवकुश इनडोर स्टेडियम उदयपुर में आवेदन पत्र जमा करवा सकते है। आवेदन पत्र डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आरएसएससी डॉट इन से डाउनलोड कर सकते है। इसके लिए 31 मई 2025 को खिलाडियों की न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम आयु 17 वर्ष होना आवश्यक है। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल प्रमाण पत्र या सरंपच द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ खेल प्रमाण पत्र संलग्न करना भी आवश्यक है। चयनित खिलाडियो को यात्रा भत्ता, निःशुल्क आवास एवं भोजन व्यवस्था, खेल उपकरण, राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। डॉ.पालीवाल ने बताया कि आबू पर्वत में बालक-बालिका वर्ग में हैण्डबॉल, वालीबॉल, बास्केटबॉल, बाक्सिंग, एथलेटिक्स एवं तीरन्दाजी, जयपुर में बालक-बालिका वर्ग फुटबाल, क्रिकेट, जिम्नास्टिक जूडो, हॉकी, कुश्ती, कब्बड्डी, भारोत्तोलन, खो-खो, साइक्लिंग, बैडमिन्टन, टेबल-टेनिस, वूशु, तैराकी एवं जनजाति शिविर बांसवाड़ा में वालीबॉल, तीरन्दाजी, एथलेटिक्स, कबड्डी, हॉकी, खो-खो, फुटबाल, हैण्डबाल (बालक-बालिका वर्ग) तथा बास्केटबॉल (बालक वर्ग) में प्रशिक्षण शिविरो का आयोजन किया जाएगा।

राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स को प्रत्यक्ष मिलेंगे, रीको औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक भूखंड

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 मार्च। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट -2024'' के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादन करने वाले निवेशकों के लिए रीको द्वारा चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखंडों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना जारी कर दी गई है। ऐसे उद्यमी जिन्होंने इस पॉलिसी के लागू होने की तिथि तक राज्य सरकार के साथ निवेश हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) निष्पादित किया हो तथा ऑनलाईन आवेदन वाली दिनांक को, जिनकी राजस्थान के राजनिवेष पोर्टल पर भूमि आवंटन से संबंधित प्रार्थना लंबित हैं, वे इस योजना में आवेदन कर सकते है।

उदयपुर के 3 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में 132 औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध राज्य के 98 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 6936 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं इकाई प्रभारी रीको अजय पण्ड्या ने बताया कि इस योजना के तहत उदयपुर जिले के 3 रीको औद्योगिक क्षेत्रों में 132 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। इसमें गिर्वा तहसील के कलड़वास विस्तार में 12, मावली के आमली में 68 और वल्लभनगर के श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र माल की टूस में 52 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं।

आवेदक 28 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

राइजिंग राजस्थान के तहत एमओयू करने वाले निवेशकों को भूखण्ड आवंटन के लिए आवेदन की प्रक्रिया 17 मार्च से प्रारंभ हो गई हैं, जिसके लिये आवेदक को मय प्रोजेक्ट रिपोर्ट दिनांक 28 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योग्य आवेदक रीको की वेबसाइट www.riico.co.in,www.riico.rajasthan.gov.in या एसएसओ राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इनया riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन माध्यम से रीको के बैंक खाते में जमा करानी होगी। जिन भूखण्डों पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त होगे उनके लिये ई-लॉटरी 3 अप्रैल को प्रस्तावित हैं।

अब यूडीए में भी हर माह के तीसरे बुधवार को होगी जनसुनवाई, आमजन की परिवेदनाओं का होगा त्वरित निस्तारण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 मार्च। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से आयोजित की जाने वाली त्रिस्तरीय जनसुनवाई की तर्ज पर अब उदयपुर विकास प्राधिकरण भी जनसुनवाई करेगा। यूडीए सचिव हेमेन्द्र नागर ने बताया कि अब प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक प्राधिकरण स्तर पर विशेष जनसुनवाई होगी। इसमें संभागीय आयुक्त एवं यूडीए अध्यक्ष सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी की अध्यक्षता में जनसुनवाई करते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। विशेष जनसुनवाई व्यवस्था से प्राधिकरण क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उनकी बिजली-पानी, सफाई व्यवस्था सहित अन्य सभी तरह की समस्याओं को त्वरित एवं पारदर्षितापूर्ण निस्तारण किया जा सकेगा।

फायरिंग का दूसरा आरोपी भी पकड़ा, दोनों आरोपी सगे भाई

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। युवक पर फायरिंग करने वाला एक अन्य आरोपी गिरफ्तारः आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध पिस्टल बरामद प्रकरण में पूर्व में अभियुक्त को गिरफ्तार किया जा चुका है, प्रकरण में गिरफ्ताशुदा दोनो अभियुक्त सगे भाई हैं। थाना डबोक में प्रार्थी देवीलाल उर्फ पिन्टु पिता धनराज निवासी नान्दवेल (नाहरमगरा) पुलिस थाना डबोक जिला उदयपुर ने रिपोर्ट पेश की कि 4 मार्च को रात को करीब 10.30 बजे वह विनायक होटल, रोशिया घाटी से मेरी कार लेकर घर आया तो घर के बाहर पानी की टंकी के पास एक व्यक्ति खड़ा था और टंकी से 100 मीटर आगे की तरफ मोटरसाइकिल पर व्यक्ति बैठा हुआ था। गाडी से नीचे उतरकर घर के मुख्य दरवाजे का फाटक खोलने लगा तो टंकी के पास खड़े व्यक्ति ने पीछे से आकर पिस्टल निकालकर बायी जांघ पर गोली मार दी। उसके बाद उक्त व्यक्ति मोटरसाइकिल पर बैठे आदमी के साथ मौके से भाग गया। वगैरा रिपोर्ट पर प्रकरण सख्या 63/2025 धारा 109 (1),3 (5) बी.एन.एस.2023 व 3/25 आर्म्स एक्ट में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर योगेश गोयल द्वारा अंजना सुखवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, खेरवाडा व मनीष कुमार सहायक पुलिस अधीक्षक वृत मावली के सुपरविजन में हुकम सिंह थानाधिकारी, डबोक के नेतृत्व टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना व तकनीकी सहयोग से प्रकरण में शामिल अभियुक्तों की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया जाकर पूर्व में 6 मार्च को अभियुक्त पीयूष पिता मिथलेष सिंह निवासी प्रेमनगर कॉलोनी पुलिस थाना बडगाव जिला उदयपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई एवं प्रकरण में अन्य अभियुक्त प्रभात सिंह पिता मिथलेसिंह निवासी प्रेमनगर कॉलोनी पुलिस थाना बडगांव जिला उदयपुर की तलाश जारी थी। गठित टीम द्वारा 16 मार्च को प्रकरण में एक अन्य अभियक्त प्रभात सिंह पिता मिथलेष सिंह निवासी प्रेमनगर कॉलोनी पुलिस थाना बडगांव जिला उदयपुर की तलाश कर बापर्दा गिरफ्तार किया जाकर अभियुक्त के कब्जे से अवैध पिस्टल बरामद की गई। प्रकरण में दोनो ही आरोपी सगे भाई है।

डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह, उपभोक्ताओं को बताए साइबर ठगी से बचने के उपाय

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 17 मार्च। पंजाब नैशनल बैंक की ओर से 10 से 16 मार्च तक डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक की प्रत्येक शाखा में विद्यार्थियों/आम जनता को डिजिटल भुगतान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। डिजिटल भुगतान से संबंधित साइबर धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। उपभोक्ताओं को करने योग्य तथा न करने योग्य बातें बताई गईं। इससे पूर्व बैंक द्वारा एसएमएस के माध्यम से अपने ग्राहकों को पीएनबी वन ऐप पर रजिस्टर करने, साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहने और किसी भी प्रकार के संदिग्ध एसएमएस या कॉल का जवाब न देने के लिए आगाह किया। साइबर धोखाधड़ी/घटनाओं की रिपोर्ट बैंक में करने की सलाह दी गई। जागरूकता सप्ताह के दौरान बैंक की सभी शाखाओं एवं बीसी लोकेशन पर भी ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के प्रति जागरूक किया गया।

मास्टर क्लासिक पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का 20 को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला पावरलिफ्टिंग संघ उदयपुर के तत्वावधान में 13वीं उदयपुर जिला जूनियर, सब-जूनियर एवं मास्टर क्लासिक पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार, 20 को लवकुश इनडोर स्टेडियम में आयोजित होगा। जिला पावरलिफ्टिंग संघ के सचिव विनोद साहू ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक पुरुष एवं महिला खिलाड़ी अपनी प्रविष्टि मय आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र के साथ प्रतियोगिता स्थल पर सुबह 9.00 बजे तक जमा करवाए स प्रतियोगियों का वजन गुरूवार दिनांक 20 मार्च को सुबह 9.00 बजे लिया जायेगा , जबकि सुबह 10.30 बजे प्रतियोगिता प्रारम्भ कर दी जायेगी स सब जूनियर वर्ग में 18 वर्ष तक , जूनियर वर्ग में 23 वर्ष तक एवं मास्टर वर्ग में 40 वर्ष से अधिक के खिलाडी भाग ले सकते है। जिला संघ के अध्यक्ष दिनेश श्रीमाली ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता के आधार पर उदयपुर जूनियर , सब जूनियर एवं मास्टर पुरुष एवं महिला टीम का चयन किया जायेगा , चयनित टीम धौलपुर में 30 से 31 मार्च तक आयोजित होने वाली 13वीं राजस्थान राज्य जूनियर, सब-जूनियर एवं मास्टर पुरुष एवं महिला क्लासिक पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भाग लेगी।

जिला पेंशन प्रकरण निस्तारण समिति की बैठक 19 को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 मार्च। जिला पेंशन प्रकरण निस्तारण समिति की बैठक बुधवार 19 मार्च को अपराह्न 4 बजे जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। समिति के सदस्य सचिव एवं जिला कोषाधिकारी (ग्रामीण) ने सभी विभागीय अधिकारियों को सेवानिवृत कर्मचारियों व अधिकारियों की सूचना निर्धारित प्रपत्र में 18 मार्च तक प्रेषित करने तथा बैठक में नियत तिथि को आवश्यक सूचनाओं के साथ उपस्थित रहने को कहा है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।